बिहार विधान परिषद

(विधान परिषद् का 192वां बजट सत्र)

02 जुलाई 2019

[ऊर्जा - उद्योग - स्वास्थ्य - लोक स्वास्थ्य अभियंत्रण - अल्पसंख्यक कल्याण - गन्ना उद्योग संसदीय कार्य].

- 18

रिक्त पदों पर नियुक्ति

*30 **नवल किशोर यादव (शिक्षक पटना):**

स्वास्थ्य :-

प्रो. नवल किशोर यादव : क्या मंत्री, स्वास्थ्य विभाग यह बतलाने की कृपा करेंगे कि –

(क) क्या यह सही है कि पी.एम.सी.एच. एवं एन.एम.सी.एच. सहित लगभग सभी जिलों अस्पतालों में विभिन्न पदों पर डाक्टरों, नर्सों, विशेषज्ञ चिकित्सकों तथा दंत-चिकित्सकों एवं स्टाफों की नियुक्ति नहीं होने से मरीजों की चिकित्सा पर प्रतिकुल प्रभाव पड़ रहा है;

(ख) क्या यह सही है कि राज्य के स्वास्थ्य विभाग में लगभग 21,571 पदों, जिसमें 9,305 स्टाफ नर्स ग्रेड 'ए', 6,500 ए.एन.एम., 2,325 विशेष चिकित्सा 964 असिस्टेंट प्रोफेसर, मेडिकल कॉलेजों में 892 असिस्टेंट प्रोफेसर तथा 560 दंत चिकित्सक के पद शामिल हैं, के लिए नियुक्ति प्रक्रिया लंबित रखा गया है;

(ग) यदि उपर्युक्त खंडों का उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो क्या सरकार चिकित्सा सुविधा संतुलित रखने हेतु खंड 'ख' में वर्णित रिक्त पदों पर नियुक्ति करने का विचार रखती है, यदि हां तो कबतक, नहीं तो क्यों ?

परेशानियों का सामना

*31 **संजीव कुमार सिंह (कोशी शिक्षक):**

स्वास्थ्य :-

क्या मंत्री, स्वास्थ्य विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि –

(क) क्या यह सही है कि मुंगेर जिला अंतर्गत शीतलपुर स्वास्थ्य उपकेन्द्र लगभग दस वर्षों से संचालित है जहां आबादी के अनुरूप पर्याप्त संसाधन एवं सुविधा नहीं रहने के कारण आगन्तुकों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ता है;

(ख) यदि उपरोक्त खंड का उत्तर स्वीकारात्मक है, तो क्या सरकार जनहित में इस स्वास्थ्य उपकेन्द्र को उत्क्रमित कर अतिरिक्त प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र के रूप में परिणत करने का विचार रखती है, यदि हां तो कबतक, नहीं तो क्यों ?

आरोग्यशाला संचालित नहीं

*32 **नवल किशोर यादव (शिक्षक पटना):**

स्वास्थ्य :-

(क) क्या यह सही है कि राज्य में वर्तमान में मानसिक आरोग्यशाला संचालित नहीं होने से राज्य के मानसिक रूप से पीडि़त मरीजों को झारखंड एवं अन्य राज्यों में मानसिक आरोग्यशाला में जाने के लिए विवश होना पड़ता है;

(ख) क्या यह सही है कि भोजपुर स्थित कोईलवर में प्रथम चरण में 128.96 करोड़ रु. की लागत से 272 शैय्या वाली मानसिक आरोग्यशाला के भवन का निर्माण कराया जा रहा है, लेकिन निर्माण कार्य की गति काफी धीमी है;

(ग) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो क्या सरकार बतलायेगी कि राज्य के इस मानसिक आरोग्यशाला का भवन निर्माण कार्य कबतक पूरा करने का लक्ष्य है और कब से आरोग्यशाला संचालन के अस्तित्व में आ जायेगा ?

विद्युत तार की व्यवस्था

*33 **राधाचरण साह (स्थानीय प्राधिकार, भोजपुर एवं बक्सर):**

ऊर्जा :-

क्या मंत्री, ऊर्जा विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि –

(क) क्या यह सही है कि भोजपुर जिला के आरा और बक्सर जिला के बक्सर शहर में बिजली का तार काफी पुराना और जर्जर स्थिति में है;

(ख) क्या यह सही है कि जर्जर बिजली का तार रहने के कारण बिजली का वोल्टेज लो रहता है;

(ग)	क्या यह सही है कि पुराना और जर्जर तार रहने के कारण घटना घटने की संभावना बनी रहती है;

यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो सरकार कबतक जर्जर बिजली का तार बदलने का विचार रखती है, यदि नहीं तो क्यों ?

प्रोत्साहन देने पर विचार

***34	रामचन्द्र भारती (मनोनीत):**

उद्योग :-

श्री रामचन्द्र भारती : क्या मंत्री, उद्योग विभाग यह बतलाने की कृपा करेंगे कि-

(क)	क्या यह सही है कि राज्य के बुनकर मेहनत से खादी का कपड़ा बनाकर सदियों से बिहार की अर्थ-व्यवस्था में अपना योगदान दे रहे हैं;

(ख)	क्या यह सही है कि खादी को बढ़ावा देने हेतु बुनकरों के लिए अलग से आज तक कोई ठोस नीति नहीं बनाई गई है;

(ग)	यदि उपरोक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो क्या सरकार बुनकरों को प्रोत्साहन देने हेतु अलग से राज्य खादी नीति बनाने का इरादा रखती है जिससे कि बुनकरों को सभी सुविधा मिल सके, यदि हां तो कबतक ?

कार्रवाई पर विचार

***35	दिलीप कुमार चौधरी (स्नातक दरभंगा):**

स्वास्थ्य :-

क्या मंत्री, स्वास्थ्य विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सही है कि सदर अस्पताल, मधुबनी स्थित आई वार्ड के पीछे लगे कचरे के अंबार के कारण मरीजों में संक्रमण फैलने की काफी संभावना है;

(ख) क्या यह सही है कि अस्पताल की साफ-सफाई के मद में हर महीने दो लाख रुपए व्यय होता है, इसके बावजूद सफाई के नाम पर महज खानापूर्ति हो रही है;

(ग) क्या यह सही है कि अस्पताल के प्रबंधक एवं संवेदक की मिलीभगत से सरकारी राजस्व की बंदरबांट हो रही है;

(घ) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो क्या सरकार उक्त अस्पताल

की साफ-सफाई पर हो रही लूट की जांच कराकर संबंधित संवेदक एवं पदाधिकारियों एवं कर्मचारियों पर कार्रवाई करना चाहती है, यदि नहीं तो क्यों?

अंडरग्राउंड केबल लगाने पर विचार

*36 **प्रो. संजय कुमार सिंह (तिरहुत शिक्षक):**

ऊर्जा :-

प्रो. संजय कुमार सिंह : क्या मंत्री, ऊर्जा विभाग यह बतलाने की कृपा करेंगे कि-

(क) क्या यह सही है कि पटना जिले के न्यू जगनपुरा रोड से चिपुरा तक मुख्य सड़क के चौड़ीकरण होने के कारण 11000 वोल्ट के बिजली के पोल बीच सड़क पर आ गये हैं,

(ख) क्या यह सही है कि निर्माणाधीन सड़क का इलाका घनी आबादी वाला क्षेत्र है, हजारों बस, मोटरसाइकिल, कार प्रतिदिन इस रास्ते से गुजरते हैं, इस कारण कभी भी धक्का लगने से भयंकर दुर्घटना हो सकती है;

(ग) क्या यह सही है कि हाल ही में एक ट्रक द्वारा बिजली के पोल को टक्कर मार देने के कारण बिजली का पोल बीच सड़क पर गिर गया, संयोगवश जानलेवा नुकसान तो नहीं हुआ, किन्तु नागरिकों में दहशत व्याप्त है;

(घ) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो सरकार निर्माणाधीन सड़क किनारे के पोल को हटाकर बिजली का अंडरग्राउंड केबल बिछाना चाहती है, यदि हां तो कबतक, नहीं तो क्यों ?

अनियमितता पर रोक

*37 **रामचन्द्र पूर्वे (विधान सभा):**

स्वास्थ्य :-

क्या मंत्री, स्वास्थ्य विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि –

(क) क्या यह सही है कि छात्रों का प्रशिक्षण, मेडिकल रिसर्च एवं मरीजों का इलाज करना ही पटना मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल का मुख्य कार्य है;

(ख) क्या यह सही है कि उक्त कॉलेज के पी.जी. छात्रों को शोध कार्य तथा उसका प्रकाशन करने के बाद ही डिग्री देने का प्रावधान है;

(ग) क्या सही है कि बिना शोध कार्य किये प्रति वर्ष दो सौ पी.जी. छात्रों को उक्त कॉलेज में मेडिकल डिग्री दी जाती है, यदि हां, तो इस अनियमितता के साथ डिग्री

देने का क्या औचित्य है ?

शुल्क प्रदर्शित

*38 **श्री केदार नाथ पाण्डेय (सारण शिक्षक):**

स्वास्थ्य :-

श्री केदार नाथ पाण्डेय : क्या मंत्री, स्वास्थ्य विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि –

(क) क्या यह सही है कि राज्य में रोगियों एवं सामान्य लोगों को विभिन्न प्रकार की जांच के लिए निजी एवं असहाय मरीजों को पैथोलॉजी केन्द्र में जाकर जांच करानी पड़ती है;

(ख) क्या यह सही है कि राज्य के सभी पैथोलॉजी केन्द्रों में जांच के लिए कोई मानक शुल्क, सूचना पट्ट पर अंकित नहीं किया गया है;

(ग) क्या यह सही है कि पैथोलॉजी केन्द्रों में जांच के लिए शुल्क प्रदर्शित नहीं रहने के कारण रोगियों से निर्धारित शुल्क से कहीं अधिक लिया जा रहा है;

(घ) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो क्या सरकार पैथोलॉजी केन्द्रों पर सभी प्रकार की जांच के लिए सूचना पट्ट पर शुल्क प्रदर्शित करना चाहती है ?

व्यवस्था में सुधार

*39 **कृष्ण कुमार सिंह (विधान सभा):**

स्वास्थ्य :-

क्या मंत्री, स्वास्थ्य विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि –

(क) क्या यह सही है कि मुख्यमंत्री कन्या उत्थान योजना के अंतर्गत प्रथम दो बालिकाओं के जन्म के समय उनके माता-पिता को दो हजार रुपये दिए जाते हैं;

(ख) क्या यह सही है कि पटना के ग्रामीण अस्पतालों में जन्म लेने वाली 80 फीसदी बालिकाओं के माता-पिता को इस योजना का लाभ नहीं मिल पा रहा है;

(ग) क्या यह सही है कि पटना के चार अनुमंडल व रेफरल अस्पतालों में इस योजना का बुरा हाल है तथा 16 ऐसे ग्रामीण अस्पताल चिन्हित किये गए हैं, जहां चिकित्सकीय व्यवस्था बहुत खराब है;

(घ) यदि उपरोक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो क्या सरकार उक्त योजना का लाभ नहीं देने वाले अधिकारियों पर कार्रवाई करना चाहती है, यदि हां तो

कबतक ?

ट्रांसफरमर की व्यवस्था

*40 **दिलीप राय (सीतामढी स्थानीय प्राधिकार):**

ऊर्जा :-

क्या मंत्री उर्जा विभाग यह बतलानें की कृपा करेगें कि:-

(क) क्या यह सही है कि शिवहर जिलाअंतर्गत शिवहर प्रखंड के फतहपुर गॉंव में एक ट्रांस्फॉरमर रहने के कारण गॉंव के लोग को कम वोल्टेज में रहना पड़ता है।

(ख) क्या यह सही है कि उक्त गॉंव के लगभग पन्द्रह सौ उपभोगता है जिसको एक ट्रांसफॉरमर से विद्युत की आपूर्ति की जा रही है।

(ग) यदि उपरोक्त खंडो का उत्तर स्वीकारात्मक है तो सरकार उक्त गॉंव में दो ट्रांस्फॉरमर लगवानें की विचार रखती है तो कबतक नहीं तो क्यों।

जलापूर्ति की व्यवस्था

*41 **देवेश चन्द्र ठाकुर (स्नातक तिरहुत):**

लोक स्वास्थ्य अभियंत्रण :-

जलापूर्ति की व्यवस्था

क्या मंत्री, लोक स्वास्थ्य अभियंत्रण विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सही है कि वैशाली जिला के जनदाहा प्रखंडान्तर्गत हजरत जनदाहा शहरी पंचायत है;

(ख) क्या यह सही है कि उक्त पंचायत में पेयजल की भीषण समस्या है;

(ग) क्या यह सही है कि उक्त शहरी पंचायत पिछड़ा, अति पिछड़ा एवं अल्पसंख्यक बाहुल्य है;

(घ) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो क्या सरकार हजरत जनदाहा शहरी पंचायत को सात निश्चय योजना के अंतर्गत जलमीनार निर्माण करते हुए जलापूर्ति

सुनिश्चित करने का विचार रखती है, यदि हां तो कब तक?

आवश्यक कार्रवाई

***42 सुनील कुमार सिंह (स्थानीय प्राधिकार, दरभंगा):**

ऊर्जा :-

क्या मंत्री, ऊर्जा विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि-

(क) क्या यह सही है कि दरभंगा जिला अन्तर्गत शहरी क्षेत्रों में बिजली की आपूर्ति रहने के बावजूद फरवरी माह से बिजली की स्थिति काफी खराब है;

(ख) क्या यह सही है कि विभाग के कर्मचारी द्वारा नकली फ्युज लगाने के कारण प्रायः ट्रांसफरमर से लाइन कट जाती है, जिसके कारण कई घंटों तक बिजली गुल रहती है;

(ग) क्या यह सही है कि अधिकारियों की मिली-भगत से अधिकतम बिजली की आपूर्ति औद्योगिक क्षेत्रों में की जा रही है;

(घ) क्या यह सही है कि बिजली का उपभोग कम होने के बावजूद बिल की राशि खपत की अपेक्षा ज्यादा करके दिया जाता है;

(ड.) यदि उपरोक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं तो क्या सरकार उक्त क्षेत्रों में दोषी अधिकारियों पर कार्रवाई करके बिजली आपूर्ति की स्थिति ठीक करवाने की दिशा में आवश्यक कार्रवाई करने का विचार रखती है, यदि हां तो कब तक, नहीं तो क्यों?

कार्रवाई पर विचार

***43 संजीव श्याम सिंह (शिक्षक गया):**

स्वास्थ्य :-

क्या मंत्री, स्वास्थ्य विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सही है कि अरवल जिले में पदस्थापित खाद्य संरक्षण पदाधिकारी प्रखंड क्षेत्र के किंजर, कुर्था, करपी, परियारी बाजार, मोतेपुर, मानिकपुर, बैदराबाद आदि बाजारों में कभी निरीक्षण करने नहीं आते हैं, जिसके चलते मिलावटी एवं घटिया खाद्य पदार्थों एवं पेय पदार्थों की बिक्री बढ़ी है जिस कारण आम जनों का स्वास्थ्य प्रभावित हो रहा है एवं मिलावटी खाद्य पदार्थों का व्यवसाय करने वाले लोगों का हौसला बुलंद हुआ है;

(ख) यदि उपरोक्त खंड का उत्तर स्वीकारात्मक है,तो क्या सरकार उक्त पदाधिकारी के द्वारा दायित्वों का निर्वहन नहीं किए जाने की जांच कराकर, जांचोपरान्त दोषी पाये

जाने पर कार्रवाई करने का विचार रखती है, यदि हां तो कब तक?

उद्योग लगाने पर विचार

***44 रामईशबर महतोो (विधान सभा):**

उद्योग :-

क्या मंत्री, उद्योग विभाग यह बतलाने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सही है कि बियाडा की जमीन उद्योग लगाने हेतु राज्य सरकार द्वारा विभिन्न जिलों में बड़े पैमाने पर लीज के माध्यम से दी गई थी;

(ख) क्या यह सही है कि उद्योग लगाने हेतु लीज के माध्यम से ली जाने वाली बियाडा की बहुत सारी जमीन आज भी बिना उद्योग लगाए अन्य कार्यों के लिए उपयोग की जा रही है;

(ग) यदि उपरोक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो क्या सरकार लीज पर दी जाने वाली बियाडा की ऐसी जमीन जो बिना उद्योग लगाए अन्य कार्यों के लिए उपयोग में लाई जा रही है या खाली पड़ी है, वैसे सभी लीज को रद्द करते हुए उद्योग लगाने वाले इच्छुक लोगों को पुनः आवंटित करना चाहती है, जिससे कि बिहार में वैसी खाली जमीन पर उद्योग लग सके ?

उप स्वास्थ्य केन्द्र की व्यवस्था

***45 आदित्य नारायण पाण्डेय (गोपालगंज स्थानीय प्राधिकार):**

स्वास्थ्य :-

उप स्वास्थ्य केन्द्र की स्थापना

क्या मंत्री, स्वास्थ्य विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सही है कि गोपालगंज जिले के हथुआ प्रखंड अन्तर्गत कान्धगोपी पंचायत में उप-स्वास्थ्य केन्द्र नहीं है;

(ख) यदि उपरोक्त खंड का उत्तर स्वीकारात्मक है, तो क्या सरकार एक नया उप स्वास्थ्य केन्द्र खोलने की व्यवस्था करना चाहती है, यदि हां तो कब तक, नहीं तो क्यों?

पदस्थापित करने पर विचार

***46 डा. रामवचन राय (मनोनीत):**

स्वास्थ्य :-

पदस्थापित करने पर विचार

क्या मंत्री, स्वास्थ्य विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सही है कि मधुबनी जिला के फुलपरास प्रखंडान्तर्गत सिसवार बाजार में पूर्व से राजकीय औषधालय संचालित रहा है, जो अब बंद है तथा वहां एक भी चिकित्सक और कर्मचारी पदस्थापित और कार्यरत नहीं हैं;

(ख) क्या यह सही है कि राजकीय औषधालय सिसवार सम्प्रति वीरान पड़ा हुआ है जिसके पास करीब 150 डिसमल जमीन उपलब्ध है, जिसे वहां के कुछ स्वार्थी तत्व हड़प कर कब्जा करना चाहते हैं;

(ग) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो क्या सरकार उक्त अस्पताल की जमीन को बचाने तथा उक्त राजकीय औषधालय को उत्क्रमित करते हुए वहां डॉक्टरों एवं अन्य कर्मियों को लोकहित में पदस्थापित करने का विचार रखती है, यदि हां तो कब तक, नहीं तो क्यों?

पेयजल संकट

*47 **श्री राम लषण राम रमण (मनोनीत):**

लोक स्वास्थ्य अभियंत्रण :-

पेयजल संकट

क्या मंत्री, लोक स्वास्थ्य अभियंत्रण विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सही है कि मधुबनी जिलान्तर्गत बिस्फी प्रखंड के उच्च विद्यालय सिमरी परिसर में सात किलोमीटर पाइप बिछाकर वृहत् जलापूर्ति योजना साल भर पूर्व तैयार की गई;

(ख) क्या यह सही है कि मधुबनी जिला में इसी प्रकार की 25 योजनाएं तैयार की गई हैं,

(ग) क्या यह सही है कि प्रति घंटे जेनरेटर के लिए प्रावधानित सात लीटर डीजल के अभाव में एक भी योजना चालू नहीं की गई है;

यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो सरकार कब तक पेयजल संकट को दूर करना चाहती है?